सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 08 MAY TO 14 MAY 2026 • VOLUME 42 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"अनुशासन यह चुनना है कि अभी क्या चाहिए और आखिर में क्या चाहिए।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	39°	25°
शनिवार	41°	26°
रविवार	42°	28°
सोमवार	42°	28°
मंगलवार	41°	29°
बुधवार	40°	26°
वीरवार	43°	27°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

मोहाली में ईडी की रेड, 9वीं मंजिल से फेंके 500 के नोटों से भरे दो बैग

बैग गिरते ही 500-500 रुपये के नोट सोसायटी परिसर में बिखर गए

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन धोखाधड़ी मामले में कुछ बिल्डर और रियल एस्टेट कंपनियों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत पंजाब और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर गुरुवार को छापेमारी की। ईडी की टीम जैसे ही मोहाली जिले के खरड़ स्थित नामी हाउसिंग सोसायटी वेस्टर्न टावर्स पहुंची तो नौवीं मंजिल के एक फ्लैट से नकदी से भरे दो बैग नीचे फेंके गए। दरअसल ईडी की टीम सुबह करीब सात बजे दिल्ली से खरड़ पहुंची और चज्जूमाजरा स्थित वेस्टर्न टावर्स सोसायटी के फ्लैट नंबर 906 में तलाशी अभियान शुरू किया। बताया जा रहा है कि यह फ्लैट आईटी कारोबारी नितिन गोहिल से जुड़ा हुआ है। ईडी अधिकारियों ने फ्लैट के अंदर कई घंटों तक दस्तावेजों और अन्य रिकार्ड की गहन जांच की।

सूत्रों के मुताबिक बैगों से करीब 21 लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। हालांकि, ईडी की ओर से बरामद रकम या कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। ईडी के अधिकारी पूरे मामले में फिलहाल चुप्पी बनाए हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रेड के दौरान अचानक फ्लैट की ऊपरी मंजिल से दो बैग नीचे फेंके गए। बैग गिरते ही उनमें से 500-500 रुपये के नोट सोसायटी परिसर में बिखर गए। अधिकारियों ने बताया कि मोहाली और चंडीगढ़ में सनटेक सिटी परियोजना, अजय सहगल, एबीएस टाउनशिप्स, अल्टस बिल्डर्स, धीर कंस्ट्रक्शंस और उनके सहयोगियों से जुड़े करीब 12 स्थानों पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी नितिन गोहल नामक व्यक्ति की भी तलाश कर रही है। उस पर ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (गमाडा) के शुल्क के भुगतान में 'चूक' करने वाले कई बिल्डर को 'मदद' करने और उनके लिए राजनीतिक संरक्षण की व्यवस्था करने का आरोप है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजा वडिंग ने इस मामले ट्वीट करते हुए लिखा कि ईडी के छापों की रिपोर्ट और साथ में एक ऐसे व्यक्ति के घर से हवा में उड़ते कैश के विज़ुअल्स ने जो सत्ता के बहुत करीब हैं, उन लोगों के झूठ को तोड़ दिया है जो खुद को कट्टर-ईमानदार बताते हैं। इससे लोगों की यह सोच और पक्की हो गई है कि आम आदमी पार्टी के पिछले चार सालों के राज में पंजाबियों को कैसे लूटा गया है। अगर ठीक से जांच की जाए, तो यह तो बस एक छोटी सी बात होगी। अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों पर गमाडा से भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) लाइसेंस हासिल करने में धोखाधड़ी करने और बाद में लोगों से ठगी करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने निवेशकों से करोड़ों रुपये की धनराशि जुटाई।

एनएचएआई दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के किनारे "ट्रीज़ फॉर बीज़" परागण गलियारों के माध्यम से जैव विविधता को देगा बढ़ावा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पर्यावरण के अनुकूल राष्ट्रीय राजमार्ग विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़, आगामी मानसून सत्र के दौरान दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे के चिन्हित हिस्सों पर परागण (मधुमक्खी) गलियारों के विकास का कार्य शुरू करने जा रहा है। यह पहल ग्रीन हाईवेज़ पॉलिसी, 2015 तथा स्वीकृत वार्षिक वृक्षारोपण कार्ययोजना 2026-27 के अनुरूप है, जो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील वृक्षारोपण पद्धतियों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एनएचएआई के अध्यक्ष की परिकल्पना के तहत शुरू किए गए "ट्रीज़ फॉर बीज़" अभियान का उद्देश्य ऐसी पौध प्रजातियों को बढ़ावा देना है जो मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकर्ताओं के लिए उपयोगी हों तथा किसानों की फसल उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायक बनें। .1

इसके अंतर्गत प्रस्तावित गलियारों में मधुमक्खियों के अनुकूल वनस्पतियों की निरंतर श्रृंखला विकसित की जाएगी, जिनमें ऐसे पुष्पीय पौधों का चयन किया जाएगा जो पूरे वर्ष मधुरस (नेक्टर) और पराग उपलब्ध कराते रहें। स्वीकृत कार्ययोजना 2026-27 के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में कुल 3,86,653 पौधे लगाए जाने का प्रस्ताव है, जिनमें- पंजाब में : 1,48,725 पौधे हरियाणा में : 2,37,928 पौधे वृक्षारोपण कार्य आगामी मानसून मौसम में किया जाएगा ताकि अनुकूल जलवायु परिस्थितियों का लाभ लेते हुए पौधों की बेहतर वृद्धि और अधिक जीवित रहने की संभावना सुनिश्चित की जा सके। मधुमक्खियाँ और अन्य परागणकर्ता कृषि, बागवानी और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि, पर्यावरणीय और प्रदूषण संबंधी विभिन्न कारणों से इनकी संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे किया जाने वाला वृक्षारोपण, उपयुक्त पौध प्रजातियों के चयन और योजनाबद्ध रोपण के माध्यम से इनके लिए अनुकूल आवास तैयार करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस पहल के तहत निम्नलिखित हिस्सों को कार्यान्वयन के लिए चिन्हित किया गया है- पंजाब: भवानीगढ़ के निकट पटियाला-बठिंडा रोड (एनएच-7) के जंक्शन से भोगीवाल गांव के निकट लुधियाना-मलेरकोटला रोड के जंक्शन तक। हरियाणा: दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे, पैकेज-5 (एनई-5)। इन गलियारों में नीम, जामुन, अर्जुन, अमलतास, पीपल, कदंब, आंवला और नीली गुलमोहर जैसी देशी एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल प्रजातियों के साथ-साथ मध्य पट्टियों (मीडियन) में उपयुक्त झाड़ीदार पौधे लगाए जाएंगे।

बीजेपी ने भगवंत मान को भेजा मानहानि नोटिस

नई दिल्ली. भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने गुरुवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को जालंधर और अमृतसर में हुए दोहरे बम धमाकों के

लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने वाले उनके बयान के लिए मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा और उनसे अपने दावे का सबूत देने या पद से इस्तीफा देने को कहा। मंगलवार रात पंजाब में सुरक्षा प्रतिष्ठानों के पास हुए दो सिलसिलेवार धमाकों से दहशत फैल गई और विपक्षी दलों ने इसकी कड़ी निंदा की। उन्होंने राज्य में कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर भगवंत मान सरकार को निशाना बनाया।

चुघ ने पत्रकारों से कहा कि इसीलिए उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि, झूठी सूचना फैलाने और जन अशांति भड़काने के प्रयास के लिए कानूनी कार्यवाही शुरू की गई है। मुख्यमंत्री मान का बयान उनके अपने डीजीपी के रुख के बिल्कुल विपरीत है। पंजाब पुलिस जहां पाकिस्तान की आईएसआई और विदेशी नेटवर्क की संलिप्तता की ओर इशारा कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने में व्यस्त हैं।

जालंधर-अमृतसर में बम धमाके भाजपा की पंजाब में चुनाव तैयारियों के संकेत : सीएम

शुक्राना यात्रा का दूसरा दिन जालंधर से शुरू हुआ और 9 मई को श्री फतेहगढ़ साहिब में होगी समाप्ति

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 'शुक्राना यात्रा' के दूसरे दिन ऐलान किया कि पंजाब में बेअदबी करने वाले अब सजा से नहीं बच सकेंगे। उन्होंने कहा कि नया बेअदबी विरोधी कानून अपराधियों के लिए एफआईआर, उम्रकैद और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने के बाद जमानत न देने की व्यवस्था करता है। पिछली सरकारों ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी करने वालों को आजाद घूमने और पंथ की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की इजाजत दी थी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि 'आप' सरकार ने अब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्रता की रक्षा और सूबे में भाईचारे की सांझ बनाए रखने के लिए देश का सबसे सख्त कानून बनाया है। जालंधर से शुक्राना यात्रा के दूसरे दिन का नेतृत्व करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आदमपुर और करतारपुर में सभाओं को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी पार्टियां बार-बार दावा करती रही हैं कि यह कानून कभी पास नहीं होगा, राष्ट्रपति के पास फंस जाएगा या राज्यपाल की मंजूरी नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने देश के सबसे अच्छे कानूनी माहिरों से सलाह-मशवरा किया ताकि यह यकीनी बनाया जा सके कि कानून संवैधानिक तौर पर मजबूत और भविष्य के लिए उचित हो।

जालंधर और अमृतसर में हाल ही में हुए धमाकों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ये घटनाएं पंजाब में भाजपा के सियासी दखल के संकेत हैं। उन्होंने कहा, "भाजपा जहां भी जाती है, वहां अशांति और डर फैलाती है। वे सिखों और हिंदुओं को आपस में लड़ाने की कोशिश करते हैं, लेकिन पंजाबी इस जाल में नहीं फंसेंगे।"

पंजाब के 700 किसानों की मौत के लिए भाजपा जिम्मेदार : मान

अमृतसर (जालंधर ब्रीज). चार दिवसीय शुक्राना यात्रा आज दूसरे दिन पवित्र नगरी अमृतसर पहुंची। इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ आम आदमी पार्टी की सरकार 'लोक सेवा की राजनीति' कर रही है और दूसरी तरफ भाजपा 'पंजाब विरोधी राजनीति' खेल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने सिर्फ चार सालों के अंदर मुफ्त बिजली, 65,000 सरकारी नौकरियां, खेतों तक नहरी पानी, 10 लाख रुपए की मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना और महिलाओं के लिए मासिक सम्मान राशि प्रदान की है। वहीं केंद्र में बैठी भाजपा बार-बार पंजाब विरोधी फैसले लेकर पंजाबियों के साथ धोखा कर रही है।

किसान आंदोलन के दौरान 700 किसानों की मौत पर भाजपा पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा, जिन्होंने अन्नदाताओं की आवाज को कुचला और राज्य के अधिकारों, संसाधनों तथा पहचान को ठेस पहुंचाने की कोशिश की। "शुक्राना यात्रा" के दूसरे दिन रईआ और अन्य स्थानों पर जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि भाजपा की पंजाब विरोधी मानसिकता कई बार सामने आ चुकी है।

सुवेंदु अधिकारी का आरोप, ममता को हराने की वजह से मेरे सहयोगी का हुआ मर्डर

कोलकाता. अपने सहायक कर्मचारी चंद्रनाथ रथ की हत्या के एक दिन बाद, भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को कहा

कि चंद्रनाथ रथ की हत्या का एकमात्र कारण यह है कि वह उनके कार्यकारी सहायक थे और उन्होंने भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। उन्होंने कहा कि चंद्रनाथ रथ की हत्या का एकमात्र कारण यह है कि वह मेरे कार्यकारी सहायक थे और मैंने भाबनीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। मैं अपनी सभी जिम्मेदारियों को पूरा करूंगा।

दिन की शुरुआत में उन्होंने अपने कार्यकारी सहायक चंद्रनाथ रथ की हत्या का मामला सुलझाने के प्रति विश्वास व्यक्त किया और कहा कि जांचकर्ता सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वे बारासात अस्पताल पहुंचे, जहां रथ का पोस्टमार्टम किया गया। अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि मैंने डीजीपी से बात की, उनके पास कुछ सुराग हैं और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुझे विश्वास है कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी। सीआईडी, फोरेंसिक और एसआईटी सक्रिय हैं और पुलिस सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि पुलिस मामलों को सुलझाने में सक्षम है, लेकिन आरोप लगाया कि पहले उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई थी जो टीएमसी सरकार पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष था। जब टीएमसी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग के बारे में पूछा गया तो अधिकारी ने कहा कि टीएमसी का अब कोई महत्व नहीं है। पुलिस इस मामले को सुलझा लेगी।

प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की वीरता को दर्शाने वाला संस्कृत सुभाषितम् साझा किया

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की असाधारण विजय देश के वीर सैनिकों के अद्भुत पराक्रम और देशभक्ति की प्रेरक

मिसाल है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक उनके अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा की अटूट भावना पर गर्व करता है। प्रधानमंत्री ने संस्कृत का एक सुभाषितम् साझा किया- "उदीर्णमनसो योधा वाहनानि च भारत। यस्यां भवन्ति सेनायां ध्रुवं तस्यां जयं वदेत्॥ " इसका अर्थ है कि जिस सेना में योद्धा उत्साही और उच्च मनोबल वाले हों तथा जिनके पास युद्ध के उत्तम संसाधन हों, निश्चय ही विजय उन्हीं की होती है।

देश भर में 40 वर्ष से अधिक आयु के श्रमिकों के लिए निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जांच की जाएगी : डॉ. मनसुख मांडविया

कहा- ईएसआईसी कवरेज एक दशक पहले लगभग 7 करोड़ लाभार्थियों से बढ़कर आज लगभग 15 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वीरवार को दिल्ली के बासैदारापुर स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से 40 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए राष्ट्रव्यापी वार्षिक स्वास्थ्य जांच पहल का शुभारंभ किया। यह देश के श्रमबल के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सुरक्षा कवरेज को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश भर के श्रमिकों के लिए गरिमा, कल्याण और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की गारंटी को दर्शाता है। इस अवसर को "श्रम शक्ति" के सम्मान को समर्पित दिन बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार सभी श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवरेज को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने पिछले 12 वर्षों में रोजगार सृजन और कल्याणकारी उपायों के माध्यम से "श्रम शक्ति" और "युवा शक्ति" को सशक्त बनाने के लिए काम किया है। मांडविया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जो एक दशक पहले लगभग 30 करोड़ लोगों से बढ़कर आज लगभग 94 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच गया है, यानी सामाजिक सुरक्षा कवरेज 19 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने यह भी बताया कि ईएसआईसी के दायरे में आने वाले लाभार्थियों की संख्या एक दशक पहले लगभग 7 करोड़ थी, जो आज बढ़कर लगभग 15 करोड़ हो गई है। श्रमिकों के कल्याण के लिए एक बड़ी पहल की घोषणा करते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा कि अब देश भर में 40 वर्ष से अधिक आयु के सभी श्रमिकों के लिए प्रतिवर्ष निःशुल्क स्वास्थ्य जांच आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जांच के माध्यम से शीघ्र निदान से गंभीर बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है। उन्होंने बताया कि जांच शिविरों के दौरान पहचानी गई बीमारियों का इलाज और दवाएं ईएसआईसी सुविधाओं के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।

ममता के इस्तीफे के बाद प. बंगाल में राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग की

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया है। लोक भवन, पश्चिम बंगाल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174(2)(बी) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा को 7 मई 2026 से प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया है। यह कदम संवैधानिक प्रावधानों के तहत लिया गया है। शनिवार को नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जाएगी। समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, एनडीए शासित सभी 20 राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सहयोगी दलों के अध्यक्ष और वरिष्ठ मंत्री शिरकत करेंगे।

महंगे फेमस टूरिस्ट प्लेस की भीड़भाड़ छोड़ करें इन सस्ते शहरों की सैर

Travelling ट्रिप का प्लान बना रहे और बजट कम है तो शिमला-मनाली जैसे फेमस डेस्टिनेशन की बजाय इन जगहों से सस्ते और शानदार नजारे वाले इन प्लेसेज की सैर करें।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

अगर आप बजट में ट्रैवल करना चाहते हैं तो इंडिया में काफी सारी डेस्टिनेशन हैं, जहां पर आप कम पैसे खर्च करके शानदार अनुभव और नेचर के नजारे ले सकते हैं और आपको उन पॉपुलर, भीड़भाड़ वाले और महंगे टूरिस्ट स्पॉट पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। दरअसल, कुछ टूरिस्ट स्पॉट इतने पॉपुलर हो चुके हैं कि हर साल यहां पर लाखों टूरिस्ट आते हैं। जिसकी वजह से इन जगहों पर भीड़भाड़ होने के साथ ही रहने-खाने का खर्च भी ज्यादा हो जाता है। ऐसे में बजट ट्रैवलर या शांति-सुकून तलाश रहें लोगों के लिए ये जगहें सही नहीं है। अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो मनाली, शिमला, गोवा जैसे फेमस टूरिस्ट प्लेसेज का बेस्ट ऑल्टरनेटिव ये जगहें हैं।

मनाली नहीं घूमे तीर्थन वैली : अगर आप बजट में किसी खूबसूरत हिल स्टेशन की सैर करना चाहते हैं तो मनाली जाने का आइडिया छोड़ दें। यहां की भीड़भाड़ और महंगे होटल छोड़कर आप तीर्थन वैली विजिट करें। यहां पर आपको परफेक्ट नेचर के नजारे मिलेंगे और साथ ही कम रेट में होम स्टे, होटल्स भी, यहां पर फिशिंग, ट्रैकिंग, रिवरसाइड स्टे भी अफोर्डेबल प्राइज में मिल जाएगा। तो अगर आप पहाड़ों पर सुकून तलाशने जाना चाहते हैं तो तीर्थन वैली मनाली की तुलना में ज्यादा सस्ता और खूबसूरत ट्रिप होगा।

गोवा नहीं गोकर्ण

अगर आप गोवा की रंगीन नाइट्स और एक्सेंसिव रिजॉर्ट की बजाय समुंदर के साफ-सुथरे बीज एंज्वॉय करना चाहते हैं तो गोकर्ण बेस्ट प्लेस है। गोकर्ण का ओम बीच, कुडले बीच शानदार है। इसके अलावा लोकल फूड बजट में मिलेगा और साथ ही कई पुराने मंदिरों के दर्शन मन को शांति देंगे। तो समुंदर किनारे का शहर घूमना चाहते हैं तो गोकर्ण बेस्ट और अफोर्डेबल प्लेस हो सकता है।

शिमला नहीं चोपता : मनाली से भी ज्यादा क्राउड शिमला में मिल जाएगी। तो इस क्राउडेड हिल स्टेशन को छोड़कर आप चोपता की राह पकड़ लें। जिसे उत्तराखंड का मिनी स्विट्जरलैंड बोला जाता है। घने जंगल, बर्फ से घिरे ऊंचे पहाड़ों की चोटी यहां से दिखेगी। तुंगनाथ टेंपल जाने वालों के लिए ये बेस कैंप है। लेकिन यहां पर गेस्ट हाउस और कैंप बजट में मिल जाते हैं।

अंडमान से ज्यादा बजट में होगा पॉन्डिचेरी : अंडमान आईलैंड घूमने का सपना है लेकिन बजट कम है तो पॉन्डिचेरी घूम आएं। जो सस्ता और आपकी पहुंच में है। यहां पर फ्रेंच स्टाइल आर्किटेक्चर, कलरफुल स्ट्रीट्स और साफ-सुथरे, शांत बीच देखने को मिल जाएंगे। साथ ही यहां का यूनिक कल्चर भी देखने को मिलेगा। इस शहर में आपको बजट में होटल्स, होमस्टे मिल जाएंगे।

केरल से ज्यादा बजट में होगा माजुली : अगर आप केरल के बैकवाटर को एक्सपीरिएंस करना चाहते हैं लेकिन बजट कम है तो असम के माजुली आईलैंड पर चले जाएं। ब्रह्मपुत्र नदी पर बना दुनिया का सबसे बड़ा आईलैंड है।

यहां पर आपको बजट फ्रेंडली स्टे मिल जाएंगे और साथ ही यहां का ट्रेडिशनल कल्चर भी देखने को मिलेगा जो अलग एक्सपीरिएंस देगा।

तो अगली बार जब ट्रैवल प्लान करें तो केवल महंगे होटल या कैफे एंज्वॉय करने की बजाय ऐसे खूबसूरत प्लेसेज को एक्सप्लोर करें जो आपको शांति और सुकून दें। साथ ही बजट में भी हों।

LIFE MANTRA

अंडे-चिकन नहीं खाते? तो इन 5 हैक से पूरी करें अपनी डेली प्रोटीन रिक्वायरमेंट, रहेंगे फिट!

अगर आप वेजिटेरियन हैं और एग भी नहीं खाते, तो फिर डेली फूड में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना थोड़ा मुश्किल जरूर लगता है। तो चलिए कुछ आसान से हैक जानते हैं, जिनकी मदद से आप अपनी डाइट को प्रोटीन रिच और थोड़ा ज्यादा हेल्दी बना...

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

फिट रहने के लिए प्रोटीन को डाइट में शामिल करना कितना जरूरी है, ये शायद बताने की भी जरूरत नहीं। आजकल तो हर तरफ सिर्फ प्रोटीन की ही बात हो रही है, महंगे सप्लीमेंट ले कर प्रोटीन रिच डिशेज की रेसिपीज तक; आपको खूब सारे ऑप्शन मिल जाएंगे। लेकिन क्या हर किसी के पास इतना समय और बजट दोनों हैं? जाहिर है नहीं, तो फिर सवाल है कि डाइट में प्रोटीन की मात्रा कैसे बढ़ाई जाए। खासकर अगर आप वेजिटेरियन हैं और एग भी नहीं खाते, तो फिर डेली फूड में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाना थोड़ा मुश्किल जरूर लगता है। सिर्फ प्रोटीन पाउडर के भरोसे आप अपनी डेली प्रोटीन रिक्वायरमेंट को पूरा नहीं कर सकते हैं। तो चलिए कुछ आसान से हैक जानते हैं, जिनकी मदद से आप अपनी डाइट को प्रोटीन रिच और थोड़ा ज्यादा हेल्दी बना सकते हैं।

हैक 1: सोया चंक्स से बनाएं हेल्दी चीला – अगर आपके पास भी सुबह ज्यादा टाइम नहीं होता और मेहनत भी नहीं करनी, तो सोया चंक्स से चीला बना सकते हैं। एक हेल्दी प्रोटीन रिच ब्रेकफास्ट बनकर तैयार हो जाएगा। इसके लिए भिगोकर रखी हुई सोया चंक्स को अच्छे से निचोड़ लें, फिर एक मिक्सर में डालें। इसके साथ थोड़ा सा बेसन, नमक और पानी डालकर ग्राइंड कर लें। इसका सॉफ्ट सा चीला बनाकर तैयार कर लें। इसे आप घर पर रखी किसी भी इस सब्जी या दही के साथ खा सकते हैं। ये लंच के लिए भी एक परफेक्ट ऑप्शन है।

हैक 2: चावल में ऐसे बढ़ाएं प्रोटीन की मात्रा – आप लंच या डिनर में चावल खाना पसंद करते हैं, तो उन्हें एक हेल्दी प्रोटीन रिच ट्विस्ट भी दे सकते हैं। इसके लिए थोड़ी सी सोया चंक्स को बिना पानी के अच्छे से ग्राइंड कर लें। अब इन्हें पके हुए चावल में मिक्स कर लें। चावल की मात्रा आपको कम रखनी है और सोया चंक्स थोड़ी ज्यादा मात्रा में डालने है। ये खाने में बिल्कुल भी अलग नहीं लगेंगे और प्रोटीन भी काफी ज्यादा मिल जाएगा।

हैक 3: टोफू से क्रीमी बनाएं सब्जियां – टोफू एक पॉपुलर प्रोटीन रिच फूड है, जिसे आप भी अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसके लिए टोफू को बड़े बड़े टुकड़ों में काट लें और पानी के साथ ग्राइंड कर लें। इसे आप पास्ता या सब्जियों में एड कर सकते हैं। इससे ग्रेवी क्रीमी हो जाएगी और प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाएगी।

हैक 4: ऑल राउंडर टोफू डिप बनाकर तैयार करें – टोफू की ये डिप प्रिपेयर कर के रख लेंगे तो इसे आप सैंडविच, रोटी, पराठे, रैप या थेपला जैसी किसी भी डिश के साथ खा सकते हैं। इसके लिए टोफू को लहसुन, हरी मिर्च, अदरक, दही का पानी, नमक, जीरा पाउडर और हरे धनिया के साथ ग्राइंड कर लें। खाने में काफी टेस्टी लगती है और प्रोटीन रिच भी है।

हैक 5: दाल में मिलाएं प्रोटीन पाउडर – अगर आपका बजट अलाउ करता है तो आप अनफ्लेवर्ड प्रोटीन पाउडर ले सकते हैं। इसे आप दाल में मिक्स कर के खा सकते हैं या चाहें तो डोसा बैटर में थोड़ा सा मिला लें। बिल्कुल भी टेस्ट नहीं आता है और प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाती है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

अलर्ट! तेज गर्मी में फट सकता है LPG सिलेंडर इस्तेमाल के दौरान इन 5 बातों का रखें ध्यान

गर्मियों में एसी फटने की खबरें आना शुरू हो चुकी हैं और इसी मौसम में सिलेंडर भी खतरे की घंटी बन जाते हैं। कोई हादसा आपके साथ ना हो इसके लिए जरूरी सेफ्ट टिप्स अपनाएं।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मियां शुरू होते ही सिर्फ धूप-पसीना ही परेशान नहीं करता बल्कि चीजों की सुरक्षा की टेंशन भी बढ़ जाती है। हाल ही में एसी ब्लास्ट के कई केसेस सुनने को मिले लेकिन गर्मी में AC ही नहीं आपकी रसोई का सिलेंडर भी फट सकता है। तेज गर्मी में किचन की तपिश में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता, ऐसे में LPG सिलेंडर का भी थोड़ा ध्यान रखना पड़ता है। अगर सिलेंडर गर्माहट से ज्यादा गर्म हो गया तो भारी नुकसान हो सकता है। बीत कुछ दिनों पहले सिलेंडर फटने के भी कई मामले सुनने को मिले, जिसमें लोगों का घर-सामान सबकुछ राख हो गया। आपके साथ ऐसा कोई हादसा ना हो इसके लिए पहले से ही कुछ सावधानियां बरत सकते हैं। एलपीजी सिलेंडर से जुड़े कुछ सेफ्टी टिप्स हैं, जो हर किसी को अपनाने चाहिए। इससे सिलेंडर फटने का खतरा कम होगा और आपका सिलेंडर भी लंबा चलेगा।

गर्मी में सिलेंडर फटने का कारण : सिलेंडर के अंदर LPG (लिक्विड + गैस) दबाव में भरी होती है। जैसे-जैसे बाहर की गर्मी का तापमान बढ़ता है, अंदर गैस का प्रेशर भी बढ़ता है। अगर सिलेंडर बहुत ज्यादा गर्म हो जाए तो यह दबाव असामान्य लेवल तक जा सकता है। हर सिलेंडर एक तय प्रेशर तक सेफ रहता है। उससे ज्यादा होने पर सेफ्टी वाल्व गैस रिलीज करने की कोशिश करता है। जिससे फटने का खतरा ना हो लेकिन अगर वाल्व ही खराब हो या जाम हो, तो खतरा बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि सिलेंडर की समय-समय पर जांच हो।

5 बातों का रखें खास ख्याल-

सेफ्टी वाल्व चेक करें : LPG सिलेंडर का सेफ्टी वॉल्व आम तौर पर यूज़र-टेस्ट करने के लिए नहीं होता। इसे खुद खोलना/छेड़ना खतरनाक हो सकता है। वॉल्व/टॉप एरिया पर जंग, दरार, तेल/चिकनाई या गंदगी दिखें सतर्क रहें, साथ ही वॉल्व के आसपास डेंट या डैमेज हो तो सिलेंडर यूज न करें और डिस्ट्रीब्यूटर को वापिस करें।

गैस की बदबू-लीकेज : गैस लीकेज कई बार गैस की खुली नॉब के कारण आती है, तो कई बार सिलेंडर से भी। अगर गैस की बदबू आ रही है या सीसी करके आवाज आ रही है, तो फौरन रेग्यूलेटर बंद करें। घर के खिड़की-दरवाजों को खोलें और एजेंसी को फोन कर बुलाएं।

खराब पाइप और पुराना रेगुलेटर : सिलेंडर हर महीने खत्म होता है और फिर बदल जाता है लेकिन क्या आप रेगुलेटर और खराब पाइप को बदल रहे हैं। कई बार सिलेंडर फटने के पीछे का कारण यही होता है और इससे बड़ा खतरा हो सकता है। मान लीजिए पाइप से गैस लीक हो रही है और आपने उसी वक्त गैस जलाई तो फौरन आग पकड़ लेगी और फिर इससे सिलेंडर भी फटेगा।

गर्म जगह पर ना रखें : अगर आपकी किचन गर्म ज्यादा रहती है, तो सिलेंडर को कहीं बाहर की ओर सेट करें। गर्म जगह पर रहने से सिलेंडर हीट होगा और ऐसे में हादसे का डर रहता है। इसके अलावा धूप में भी सिलेंडर कभी ना रखें। कई लोग सिलेंडर लेने के बाद उसे आंगन में धूप में ही रखकर छोड़ देते हैं।

रेगुलेटर बंद करें : गैस का काम खत्म होने के बाद फौरन रेगुलेटर बंद करें, खासतौर पर रात में खाना पकाने के बाद। अक्सर लोग खाना बनाने के बाद गैस स्टोव बंद कर देते हैं लेकिन सिलेंडर का रेगुलेटर चालू छोड़ देते हैं। यह आदत खतरनाक हो सकती है।

बच्चों को हरगिज ना डांटे, मासूम दिल पर होता है गहरा असर

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बच्चे नादान होते हैं और अक्सर ढेर सारी शरारतें करते हैं। अब उन्हें समझाकर सही चीजें सिखानी है या फिर डांटकर इसे तो पैरेंटस ही तय कर सकते हैं। क्योंकि हर बच्चे का मिजाज अलग होता है। लेकिन प्यार से समझाने से जितना समझ जाते हैं उतना डांटने से नहीं। लेकिन फिर भी दिन के कुछ मौके होते हैं जब पैरेंट्स अपने खराब मूड का शिकार बच्चों को बना देते हैं और उन्हें डांट लगाते हैं। लेकिन बच्चों को अगर आप हर वक्त डांटते हैं तो इससे बच्चों की बॉन्डिंग पैरेंट्स के साथ खराब होने लगती है। मासूम दिल पर इन डांट का गहरा असर होता है। बच्चे के साथ अपनी बॉन्डिंग को मजबूत बनाना है और दिल में अपने लिए खास जगह बनाकर रखनी है तो बच्चों को ऐसे मौके पर हरगिज ना डांटे। जबकि ज्यादातर पैरेंट्स इसी वक्त पर उन्हें डांटते चिल्लाते हैं, जिससे बच्चों के माइंड पर बुरा असर पड़ता है।

सुबह उठने के बाद : बच्चों को स्कूल भेजने की जल्दी और कामकाज की जल्दीबाजी में बच्चों को अक्सर पैरेंट्स सुबह उठते ही डांटना शुरू कर देते हैं। जबकि इस वक्त पर बच्चों के साथ प्यार से बोलना उनके साथ कनेक्शन को मजबूत बनाता है। बच्चों का माइंड फ्रेश और पॉजिटिव तरीके से चलता है और वो स्कूल ज्यादा हैप्पी मूड में जाते हैं और उनकी लर्निंग स्किल भी बेहतर होती है।

टीवी या मोबाइल बंद करने के बाद : बच्चा काफी टाइम से स्क्रीन पर बिता रहा था और अचानक से उसने टीवी या मोबाइल, गेम बंद कर दिया और किसी बात पर चिड़चिड़ापन दिखा रहा तो इस वक्त उन्हें डांटे नहीं क्योंकि बच्चा अकेलेपन से जूझ रहा है। ऐसे टाइम पर बच्चे के इमोशन को रेगुलेट करें। इस वक्त टीवी और मोबाइल देखने के लिए डांटने की बजाय उनसे बात करें या कुछ गेम खेलें।

सोने के पहले : बच्चे के सोने का टाइम हो गया तो उसे डांटकर बिस्तर पर भेजने की गलती ना करें। बल्कि इस वक्त उसे प्यार से बातचीत करते हुए बेड पर ले जाएं और दिनभर के बारे में कुछ बात शुरू करें। बच्चे खुद सारी बातें शेयर करेंगे और आपको बॉन्डिंग बच्चे के साथ मजबूत होगी।

रिसर्च में ये पता चल चुका है कि दिन के इन खास पलों में बच्चों को अगर डांटकर अपनी बात मनवाने की बजाय प्यार से बातचीत करते हुए समझाएं तो उनमे कॉन्फिडेंस और बॉन्डिंग बढ़ती है। साथ ही उनमे बिहेवियरल चेंज भी देखने को मिलता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

काम की बात : क्या टमाटर सच में बढ़ाता है किडनी स्टोन का खतरा? यहां जानें सच्चाई

Health टमाटर हमारे रोज के खाने का अहम हिस्सा है, लेकिन कई लोग मानते हैं कि इसे खाने से किडनी स्टोन बन सकता है। यह सवाल काफी समय से लोगों के मन में है—क्या यह सच है या सिर्फ एक मिथ?

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

टमाटर भारतीय किचन का एक जरूरी हिस्सा है, जिसका इस्तेमाल लगभग हर सब्जी, सलाद और ग्रेवी में किया जाता है। लेकिन अक्सर यह सुनने को मिलता है कि टमाटर खाने से किडनी स्टोन हो सकता है। इसी वजह से कई लोग इसे खाने से डरने लगते हैं, खासकर वे लोग जिन्हें पहले स्टोन की समस्या रह चुकी है।

दरअसल, टमाटर में ऑक्सलेट नाम का एक तत्व पाया जाता है, जो कुछ मामलों में किडनी स्टोन बनने से जुड़ा माना जाता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि टमाटर पूरी तरह नुकसानदायक है। सच यह है कि सही मात्रा और संतुलित डाइट के साथ टमाटर सुरक्षित और फायदेमंद होता है। इसलिए जरूरी है कि इस विषय की सच्चाई को समझा जाए और मिथ और फैक्ट में फर्क किया जाए।

ऑक्सलेट क्या होता है?

ऑक्सलेट एक नेचुरल कंपाउंड है जो कई फूड्स में पाया जाता है, जैसे पालक, चुकंदर और टमाटर। जब शरीर में ऑक्सलेट और कैल्शियम ज्यादा मात्रा में मिलते हैं, तो कुछ लोगों में किडनी स्टोन बनने का खतरा बढ़ सकता है।

क्या हर किसी को टमाटर से बचना चाहिए?

नहीं। ज्यादातर लोगों के लिए टमाटर पूरी तरह सुरक्षित है और हेल्दी भी। अगर आपकी किडनी हेल्दी है और आपको पहले कभी स्टोन की समस्या नहीं हुई है, तो आप सामान्य मात्रा में टमाटर खा सकते हैं।

किन लोगों को सावधानी रखनी चाहिए?

जिन्हें पहले किडनी स्टोन हो चुका है: अगर आपको पहले किडनी स्टोन की समस्या हो चुकी है, तो आपको अपनी डाइट पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है। टमाटर में मौजूद ऑक्सलेट कुछ मामलों में स्टोन बनने की प्रक्रिया को बढ़ा सकता है।

लो-ऑक्सलेट डाइट वाले: कुछ लोगों को डॉक्टर लो-ऑक्सलेट डाइट फॉलो करने की सलाह देते हैं, खासकर जब उनके शरीर में ऑक्सलेट लेवल ज्यादा हो। ऐसे में टमाटर, पालक और चुकंदर जैसे फूड्स को सीमित करना जरूरी होता है।

जिन्हें बार-बार स्टोन बनने की समस्या रहती है: अगर आपको बार-बार किडनी स्टोन बनता है, तो यह संकेत हो सकता है कि आपके शरीर में कुछ तत्वों का संतुलन सही नहीं है। ऐसे में सिर्फ टमाटर ही नहीं, बल्कि पूरी डाइट को ध्यान से मैनेज करना जरूरी होता है।

टिप : सावधानी का मतलब यह नहीं कि आप टमाटर पूरी तरह छोड़ दें, बल्कि सही मात्रा और सही तरीके से खाएं ताकि फायदा मिले और नुकसान से बचा जा सके।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

टेक्निकल टेक्सटाइल बुन रहे फुटवियर में भारत का भविष्य

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

आत्मनिर्भर भारत का मतलब सिर्फ उत्पादन में आत्मनिर्भरता ही नहीं, बल्कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में नेतृत्व भी हासिल करना है। कुछेक क्षेत्रों ने ही इस अवसर का फुटवियर की तरह स्पष्ट रूप से उपयोग किया है। फुटवियर रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली सबसे आम वस्तुओं में से एक है। इसका इस्तेमाल स्कूली बच्चों, लंबी पाली में काम करने वाले कामगारों और लगातार भागमभाग कर सामान की डिलीवरी करने वालों से लेकर अपनी शारीरिक सीमाओं से आगे जाने वाले एथलीट तक करते हैं। भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक है। इसके बावजूद वैश्विक फुटवियर निर्यात में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है।

गिरिराज सिंह
(लेखक केंद्रीय वस्त्र मंत्री हैं। लेख में व्यक्त लेखक के निजी विचार हैं)

यह अंतर क्षमता की कमी के कारण नहीं, बल्कि मटेरियल (सामग्री), डिजाइन और कार्य प्रदर्शन के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता के कारण है। इस बदलाव के केंद्र में एक ऐसी श्रेणी भी है जिस पर अक्सर लोगों का ध्यान नहीं जाता, वह है-तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल)। मैंने इसे हाल ही में अपनी आगरा यात्रा के दौरान और अधिक स्पष्टता से समझा। आगरा अपने जूतों और चप्पल के लिए जाना जाता है। वहां के उत्पादन समूहों में घूमते हुए और निर्माताओं से बातचीत करते हुए यह स्पष्ट हो गया कि वहां इनके उत्पादन में नवाचार पहले से ही किया जा रहा है। कई इकाइयाँ ऐसी सामग्रियों का उपयोग कर रही थीं जो बहुत आरामदायक, टिकाऊ और नरम जूते बना रही हैं। लेकिन इनमें से कइयों ने इन्हें टेक्निकल टेक्सटाइल के रूप में नहीं बताया। उन सब ने इन्हें सिर्फ ऐसे बेहतर आदानों के रूप में देखा जो उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

दिल्ली में फुटवियर संघ के साथ हुई एक बैठक के दौरान यह समझ और गहरी हुई। उद्योग जगत के हितधारकों ने उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं के बारे में बताया, जैसे उपभोक्ता अब हलके, बेहतर कुशनिंग वाले, हवादार और टिकाऊ जूते पसंद करते हैं। ये अब केवल महंगे उत्पादों की विशेषताएं नहीं रह गई, बल्कि मानक ज़रूरतें बनती जा रही थीं। इसी चर्चा के दौरान मेरे विभाग ने एक महत्वपूर्ण बिंदु पर प्रकाश डाला: फुटवियर उद्योग पहले से ही टेक्निकल टेक्सटाइल का व्यापक रूप से उपयोग कर रहा है, भले ही इसे औपचारिक रूप से मान्यता न दी गई हो।

उस अहसास ने पूरी चर्चा का स्वरूप ही बदल दिया। वैश्विक स्तर पर, फुटवियर उद्योग सालाना लगभग 23.9 बिलियन जोड़ी जूतों का उत्पादन करता है, जिसका बाजार आकार करीब 500 बिलियन अमरीकी डॉलर है। भारत वैश्विक उत्पादन में लगभग 12.5 प्रतिशत का योगदान देता है, फिर भी निर्यात में इसकी हिस्सेदारी केवल 2 प्रतिशत है। यह आंकड़ा हमारी क्षमता और वैश्विक स्थिति के बीच के स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। साथ ही, दुनिया भर के लगभग 86 प्रतिशत फुटवियर 'नॉन-लेदर' (गैर-चमड़ा) हैं, जबकि भारत का उद्योग परंपरागत रूप से चमड़े पर केंद्रित रहा है।

देश में भी स्थिति तेजी से बदल रही है। साल 2025 में भारतीय फुटवियर बाजार का आकार 20.67 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच गया, जो बढ़ती आय और उपभोक्ता की बदलती प्रवृत्तियों को दर्शाता है। हालाँकि, एक औसत भारतीय अभी भी साल भर में लगभग 2 जोड़ी जूते ही खरीदता है, जबकि वैश्विक औसत 7 से 8 जोड़ी का है। जैसे-जैसे खरीदने की क्षमता बढ़ेगी, उपभोक्ताओं की पसंद 'आराम' और 'बेहतर प्रदर्शन' होगी। इसे देखते हुए घरेलू बाजार का विस्तार और भी व्यापक होने की उम्मीद है।

यही वह बिंदु है जहाँ तकनीकी वस्त्र (टेक्निकल टेक्सटाइल) विकास के अगले चरण के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। वस्त्र मंत्रालय में, इस परिवर्तन को 'स्मार्ट, टिकाऊ और निर्बाध' फ्रेमवर्क के माध्यम से आगे बढ़ाया जा रहा है। 'स्मार्ट' फुटवियर' तकनीक और डिजाइन के बढ़ते एकीकरण को दर्शाते हैं। डिजिटल टूल्स, एआई आधारित मॉडलिंग और फुट स्कैनिंग के माध्यम से अब बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत जरूरतों के अनुरूप समाधान संभव हो पा रहे हैं। यह रुझान व्यापक रूप

से उपभोक्ताओं की जरूरतों और फैशन के अनुरूप है। वर्ष 2025 में, भारत में 28.9 मिलियन स्मार्टवॉच की बिक्री दर्ज की गई, जिससे 780 मिलियन अमरीकी डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। यह उन उत्पादों के प्रति बढ़ती पसंद को दर्शाता है जो दैनिक उपयोग के साथ-साथ आज के समय के अनुरूप भी हों। स्नीकर (हलके रबड़ के जूते) श्रेणी के जूते इस बदलाव को और अधिक स्पष्ट रूप से दिखाते हैं। अनुमान है कि यह वर्ष 2024 के 3.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक यह लगभग 6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुँच जायेंगे, जिसमें इसकी मात्रा 55 मिलियन जोड़ी से बढ़कर 70 मिलियन जोड़ी हो जाएगी। उपभोक्ता स्पष्ट रूप से ऐसे फुटवियर खरीद रहे हैं जो 'आरामदायक' हों और 'देखने में भी सुन्दर' हों और यहीं पर 'तकनीकी वस्त्र' एक निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

संवहनीयता भी एक निर्णायक कारक बनता जा रहा है। "पुनर्चक्रित पीईटी प्लास्टिक और 'बायोडिग्रेडेबल' फाइबर जैसे पदार्थ धीरे-धीरे उत्पादन की मुख्यधारा में प्रवेश कर रहे हैं। भारत के लिए, यह न केवल एक पर्यावरणीय अनिवार्यता है, बल्कि वैश्विक बाजारों में खुद को संवहनीय सामग्री के आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करने का एक रणनीतिक अवसर भी है। इसी तरह, 'निर्बाध विनिर्माण' की दिशा में बढ़ते कदम भी परिवर्तनकारी साबित हो रहे हैं। 3डी बुनाई और उन्नत निर्माण जैसी तकनीकें कचरे को कम कर रही हैं, दक्षता में सुधार कर रही हैं और उत्पादन चक्र को तेज कर रही हैं। इससे निर्माता निरंतरता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए उपभोक्ता की बदलती मांगों के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से उत्पादन करने में सक्षम हो रहे हैं।

इस बदलाव को और भी मज़बूत बनाने वाली बात है भारत के मौजूदा इकोसिस्टम का पैमाना। फुटवियर उद्योग में पहले से ही 20 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाएँ हैं; इस वजह से यह समावेशी रोज़गार का एक बड़ा ज़रिया बन गया है। लगभग 2.9 अरब जोड़ी जूतों के सालाना उत्पादन के साथ, भारत में प्रति श्रमिक उत्पादकता लगभग 4 से 5 जोड़ी प्रतिदिन है। इसकी तुलना में, वैश्विक उत्पादन में कहीं ज़्यादा दक्षता देखने को मिलती है, जहाँ मज़दूर प्रतिदिन लगभग 17 से 20 जोड़ी जूते बनाते हैं। आगरा, कानपुर, चेन्नई, रानीपेट, अंबूर और कोलकाता में स्थापित क्लस्टर्स न केवल उत्पादन के केंद्र हैं, बल्कि वे आधार भी हैं जिन पर भारत फुटवियर क्षेत्र में अपनी दक्षता, प्रतिस्पर्धात्मकता और वैश्विक नेतृत्व को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है।

टेक्निकल टेक्सटाइल की ओर यह बदलाव किसी नए उद्योग को खड़ा करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक मौजूदा उद्योग की पूरी क्षमता को उजागर करने के बारे में है। आगरा की यात्रा और दिल्ली में हुई चर्चाओं से एक सरल लेकिन प्रभावशाली अंतर्दृष्टि सामने आई- फुटवियर में टेक्निकल टेक्सटाइल कोई उभरती हुई अवधारणा नहीं है। वे पहले से ही इस उद्योग का हिस्सा हैं और चुपचाप फुटवियर उत्पादों को बनाने और तैयार करने में बेहतर योगदान कर रहे हैं।

आगे का काम इस एकीकरण को पहचानना, व्यवस्थित करना और इसका विस्तार करना है। फुटवियर क्षेत्र को टेक्निकल टेक्सटाइल्स इकोसिस्टम के दायरे में और ज़्यादा स्पष्ट रूप से लाने से नवाचार को बढ़ावा मिल सकता है, निर्यात बढ़ सकता है और उच्च गुणवत्ता वाले रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं को वैश्विक मांग के रुझानों के साथ, खासकर नॉन-लेदर और परफॉर्मेंस-आधारित श्रेणियों में, तालमेल बिठाने में भी मदद मिल सकती है।

वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनने की भारत की यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वह पारंपरिक उद्योगों, उन्नत सामग्रियों और आधुनिक डिजाइन के संगम का कितनी प्रभावी ढंग से लाभ उठाता है। फुटवियर ऐसा ही एक संगम है। 'टेक्निकल टेक्सटाइल' वह सूत है जो इस अवसर को एक वैश्विक सफलता की कहानी में पिरोने में मदद कर सकता है।

यूआईडीएआई ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल फॉरेंसिक सुदृढ़ता को बढ़ाने के लिए एनएफएसयू के साथ हाथ मिलाया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) ने डिजिटल फोरेंसिक, साइबर सुरक्षा और उन्नत प्रौद्योगिकी अनुसंधान के क्षेत्रों में एक संरचित, पांच वर्षीय सहयोग स्थापित करने के लिए हाथ मिलाया है।

यह समझौता ज्ञापन सहयोग के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करता है और भारत के डिजिटल पहचान इकोसिस्टम को आधार प्रदान करने वाले यूआईडीएआई के डिजिटल इकोसिस्टम में साइबर सदृढ़ता को और मजबूत करने के लिए दो प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों को एक साथ लाया है।

यूआईडीएआई के सीईओ विवेक चंद्र वर्मा और एनएफएसयू गुजरात परिसर के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) एस.ओ. जुनारे के बीच इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस समारोह में यूआईडीएआई के उप महानिदेशक अभिषेक कुमार सिंह और दोनों

पक्षों के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

यह सहयोग छह रणनीतिक स्तंभों पर केंद्रित होगा: शैक्षणिक और व्यावसायिक विकास, सूचना सुरक्षा और प्रणाली अखंडता, फोरेंसिक अवसंरचना और प्रयोगशाला उत्कृष्टता, साइबर सुरक्षा गतिविधियों के लिए तकनीकी सहायता, तकनीकी परामर्श और अनुसंधान (जिसमें एआई, ब्लॉकचेन, डीपफेक डिटेक्शन और क्रिप्टोग्राफिक प्रौद्योगिकियों जैसे उभरते क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान शामिल है) तथा रणनीतिक प्लेसमेंट और आउटरीच, जिसमें एनएफएसयू के छात्रों के लिए प्लेसमेंट और आउटरीच के अवसर शामिल हैं।

यूआईडीएआई के सीईओ विवेक चंद्र वर्मा ने कहा कि यह सहयोग भारत के डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का समर्थन करने वाली सुरक्षा, सदृढ़ता और फोरेंसिक क्षमताओं को और मजबूत करने तथा भारत की डिजिटल पहचान प्रणालियों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने को मंजूरी

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज संसद में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 को पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956 में संशोधन करके भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) को वर्तमान 33 से बढ़ाकर 37 करना है।

बिंदुवार विवरण : सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026 में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में 4 की वृद्धि अर्थात् 33 से बढ़ाकर 37 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) करने का प्रावधान है।

प्रमुख प्रभाव : न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि से सर्वोच्च न्यायालय अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगा, जिससे त्वरित न्याय सुनिश्चित हो सकेगा।

व्यय : न्यायाधीशों और सहायक कर्मचारियों के वेतन और अन्य सुविधाओं पर होने वाला व्यय भारत की संचित निधि से पूरा किया जाएगा।

पृष्ठभूमि : भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 (1) में अन्य बातों के साथ-साथ यह प्रावधान किया गया है कि "भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा जिसमें भारत का एक मुख्य न्यायाधीश और संसद के कानून द्वारा अधिक संख्या निर्धारित न किए जाने तक सात से अधिक अन्य न्यायाधीश नहीं होंगे..."।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए 1956 में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम 1956 के तहत एक अधिनियम पारित किया गया था। अधिनियम की धारा 2 में न्यायाधीशों की अधिकतम संख्या (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) 10 निर्धारित की गई थी।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1960 द्वारा बढ़ाकर 13 कर दिया गया था और सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1977 द्वारा बढ़ाकर 17 कर दिया गया था। हालांकि, मंत्रिमंडल द्वारा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) को 1979 के अंत तक 15 न्यायाधीशों तक सीमित था, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश के अनुरोध पर इस सीमा को हटाया दिया गया था।

सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 1986 ने भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर, सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 17 से बढ़ाकर 25 कर दी। इसके बाद, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2008 ने सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 25 से बढ़ाकर 30 कर दी।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या को मूल अधिनियम में सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2019 के माध्यम से संशोधन करके अंतिम बार 30 से बढ़ाकर 33 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) कर दिया गया था।

एग्री स्टैक : भारत की डिजिटल कृषि क्रांति

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनी हुई है। इस क्षेत्र में कुल श्रमशक्ति का लगभग 46 प्रतिशत हिस्सा जुटा हुआ है। पिछले दशक में सरकार की ओर से उत्पादन/उत्पादकता बढ़ाने, फसलों के विविधीकरण, खेती की लागत में कमी लाने, कृषि उत्पादों की बेहतर कीमत अर्जित करने, जलवायु के अनुकूल ढालने और जोखिमों को कम करने की बहुआयामी रणनीति के जरिए किसानों की आय बढ़ाने के ठोस प्रयास किए गए हैं।

केन्द्र प्रायोजित या केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के जरिए किसानों को विभिन्न सेवाओं या लाभों की निर्बाध, पारदर्शी और कुशल आपूर्ति संघीय या राज्य स्तर की सरकार की प्राथमिकता है। कुल कृषि भूमि का स्वामित्व और उस भूमि पर बोई गई फसलों का इतिहास किसी भी योजना के लाभ के लिए किसी भी किसान (चाहे वह मालिक हो, पट्टेदार हो या फिर बटाईदार हो) की पात्रता के आकलन की जरूरी शर्त है। हालांकि, देश भर में भूमि से संबंधित प्रशासन में पायी जाने वाली व्यापक भिन्नताएं एक बड़ी चुनौती पेश करती हैं।

डॉ. देवेश चतुर्वेदी
(लेखक भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के पूर्व सचिव हैं)

स्वामित्व और बुवाई से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियों को संकलित करने वाले एक मानकीकृत किसान डेटाबेस के महत्व एवं जरूरत को पहचानते हुए, सरकार ने वर्ष 2024 में डिजिटल कृषि मिशन की शुरुआत की। किसानों के इस डेटाबेस को मजबूत सहमति तंत्र के साथ गतिशील रूप से अद्यतन किया जाता है। एग्री स्टैक, इस डिजिटल कृषि मिशन का एक प्रमुख स्तंभ है। यह अब इस मिशन के एक मौन लेकिन सशक्त परिवर्तनकारी स्तंभ के रूप में उभर रहा है। इसमें तीन विवरणी (रजिस्ट्री) - खेत, किसान और बोई गई फसल - शामिल हैं। एग्री स्टैक भारत की कृषि से जुड़ी यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का इशारा करता है। एक ऐसा अध्याय, जो माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लक्ष्य के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

खेत वाली रजिस्ट्री में भौगोलिक संदर्भों के आधार पर कृषि भूखंडों का डेटाबेस शामिल होता है। इनमें से प्रत्येक भूखंड को एक अनूठी कृषि आईडी प्रदान की जाती है। दूसरी परत में, प्रत्येक भूमि के मालिक किसान को एक अनूठी फार्म आईडी प्रदान की जा रही है। इस आईडी में स्वामित्व वाली प्रत्येक भूखंड से संबंधित जरूरी जानकारियों के साथ-साथ सह-स्वामित्व के मामले में हिस्सेदारी का उल्लेख भी शामिल है। यह डेटा अधिकार अभिलेख (रिकॉर्ड ऑफ राइट्स) से गतिशील रूप से जुड़ा हुआ है ताकि विरासत, बिक्री आदि के कारण स्वामित्व में हुआ कोई भी बदलाव किसान रजिस्ट्री में अद्यतन हो जाए। तीसरी परत में प्रत्येक भूखंड पर बोई गई फसल का विवरण शामिल होता है। यह विवरण बुवाई पूरी होने के बाद प्रत्येक फसल के मौसम में किए गए डिजिटल/तकनीक आधारित फसल सर्वेक्षण के जरिए हासिल किया जाता है।

केन्द्र सरकार ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों के जरिए 35 राज्यों और केन्द्र- शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी की है। इस डिजिटल मिशन को केन्द्र और राज्य के बीच मजबूत सहयोग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। इसमें पूर्ण समावेशन सुनिश्चित करते हुए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। एग्री स्टैक एक संघीय डेटाबेस है जिसका स्वामित्व राज्यों/केन्द्र-शासित प्रदेशों के पास है, लेकिन केन्द्र सरकार सेवाओं की आपूर्ति और डेटा विश्लेषण के लिए इसका उपयोग कर सकती है। इसका उद्देश्य प्रत्येक किसान के लिए एक सत्यापित डिजिटल पहचान बनाना, उस पहचान को सटीक रूप से मैप किए गए भूखंड से जोड़ना और प्रत्येक मौसम में उगाई जाने वाली फसलों को दर्ज करना है। यह स्टैक नियमों पर आधारित एवं स्वचालित सेवा वितरण को विभिन्न योजनाओं और भौगोलिक क्षेत्रों में संभव बनाता है। इससे किसानों को बार-बार अपनी पहचान, भूमि स्वामित्व या फसल के विवरण को साबित करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें गोपनीयता और डेटा संरक्षण संबंधी कानूनों के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए किसानों से संबंधित जानकारी तक पहुंच एक मजबूत सहमति तंत्र के जरिए होती है।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल आधार तक

दशकों तक, कृषि संबंधी प्रशासन कागजी अभिलेखों और मैनुअल सर्वेक्षण पर बहुत अधिक निर्भर रहा। यह अक्सर नागरिकों के लिए उत्पीड़न और भ्रष्टाचार का कारण बनता था। एग्री स्टैक इस पुरानी परंपरा से हटकर एक क्रांतिकारी बदलाव लाता है। किसानों की पहचान का डिजिटलीकरण करके और उन्हें भूमि एवं फसल के आंकड़ों से जोड़कर, यह भारतीय कृषि की एक विश्वसनीय और नई तस्वीर पेश करता है। अब तक 9 करोड़ से अधिक किसान आईडी का सृजन इस सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये डिजिटल आईडी एक विश्वसनीय स्रोत के रूप में कार्य करते हैं।

आधार की "नई लुक" के बारे में कुछ ख़बरों पर स्पष्टीकरण

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). *कुछ ख़बरों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह कहा जा रहा है कि इस साल के अंत तक आधार की लुक केवल एक फोटो और एक QR कोड में बदल जाएगी।*

यह बिल्कुल गलत है। ऐसी किसी भी तबदीली की कोई योजना नहीं है। ऐसी खबरें और सोशल मीडिया पोस्ट लोगों के मन में उलझन पैदा कर रही हैं।

आम लोगों को सलाह दी जाती है कि वे ऐसी ख़बरों और पोस्टों को नज़रअंदाज़ करें और आधार की अधिकृत जानकारी के लिए UIDAI के अधिकृत सोशल मीडिया हैंडल्स और पीआईबी द्वारा जारी प्रेस रिलीज़ पर ही भरोसा करें। मीडिया को भी ऐसी गलत जानकारियों को उत्साहित न करने की सलाह दी जाती है।

खाद्य प्रसंस्करण में पीएलआई योजना का परिवर्तनकारी प्रभाव

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली). भारत आज अपने आर्थिक सफर के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। अब जबकि हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है, विकास को सिर्फ उत्पादन की मात्रा से ही नहीं, बल्कि हमारे द्वारा सृजित मूल्य के आधार पर भी मापना होगा।

अविनाश जोशी
(लेखक आईएएस अधिकारी और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव हैं)

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की तुलना में बहुत कम क्षेत्र ही ऐसे हैं, जहां इस प्रकार का बदलाव बिल्कुल साफ नजर आता है।

भारत खाद्यान्नों, फलों, सब्जियों, दूध और समुद्री उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादक देशों में से एक है। दशकों तक, हमारे कृषि संबंधी सामर्थ्य ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। फिर भी, इस उपज का एक बड़ा हिस्सा पारंपरिक रूप से बेहद ही सीमित मूल्यवर्धन के साथ सीधे खेत से बाजार तक पहुंचता रहा।

आज भारत के कृषि उत्पादन का महज 12-13 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्करण से गुजरता है। उत्पादन और प्रसंस्करण के बीच का यही अंतर भारतीय अर्थव्यवस्था में उपलब्ध सबसे बड़े अवसरों में से एक है।

इसलिए, खाद्यान्नों से जुड़ी भारत की यात्रा का अगला चरण बिल्कुल स्पष्ट है: कृषि की प्रचुर संपदा को उच्च मूल्य वाले एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी खाद्य उत्पादों में परिवर्तित करना।

पीएलआई योजना के पीछे की परिकल्पना

इस अवसर को पहचानते हुए, भारत सरकार ने मार्च 2021 में कुल 10,900 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्पादन पर आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएसएफपीआई) की शुरुआत की।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) द्वारा इस योजना को 2021-22 से 2026-27 तक की छह साल की अवधि के लिए लागू किया जा रहा है।

इस योजना के पीछे का मूल विचार सरल लेकिन ठोस है: खाद्य प्रसंस्करण क्षमता, नवाचार और वैश्विक ब्रांडिंग के विस्तार में निवेश करने वाली कंपनियों को पुरस्कृत करना। कुल मिलाकर, यह योजना इन-स्टोर ब्रांडिंग, अंतरराष्ट्रीय खुदरा श्रृंखलाओं में शेल्फ स्पेस और वैश्विक विपणन अभियानों में निवेश करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करके भारत में खाद्य उत्पादन से जुड़ी वैश्विक स्तर की कई चैंपियन कंपनियां तैयार करती है।

रणनीतिक डिजाइन: एक आधुनिक खाद्य इकोसिस्टम का निर्माण

पीएलआईएसएफपीआई योजना की संरचना को सावधानीपूर्वक को तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित रखा गया है।

1. उच्च क्षमता वाले खाद्य क्षेत्रों को प्रोत्साहन देना

पहला घटक पकाने के लिए तैयार (रेडी-टू-कुक) और खाने के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत फल और सब्जियां, समुद्री उत्पाद जैसी प्रमुख खाद्य श्रेणियों में उत्पादन बढ़ाने पर केन्द्रित है।

ये श्रेणियां वैसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत घरेलू खपत और निर्यात क्षमता, दोनों में तेजी से विस्तार कर सकता है।

जहाँ बुद्ध घर लौटते हैं

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . किसी राष्ट्र के जीवन में कुछ ऐसे क्षण आते हैं जब इतिहास केवल खुद को दोहराता नहीं – बल्कि और गहरा हो जाता है। इस बुधवार, जब तथागत बुद्ध के पवित्र अवशेष इस पैमाने पर सार्वजनिक श्रद्धा के साथ पहली बार भारत में लद्दाख की धरती पर उतरेंगे, तो मैं खुद को सरकारी भाषा की ओर नहीं, बल्कि किसी बहुत पुरानी चीज़ की ओर – श्रद्धा की ओर – मुड़ते हुए पाता हूँ।

सदियों से लद्दाख ने यह ज्योति संजोए रखी है। उन क्रूर सर्दियों में जो नदियों को जमा देती हैं, उन भू-राजनीतिक दबावों में जो मज़बूत से मज़बूत आत्माओं को भी आज़माते हैं, ऊँचाई की एकाकी दुनिया में और दूर-दराज़ के दर्रों की कठिनाइयों के बीच – लद्दाख के लोगों ने धर्म को ऐसी निष्ठा से जीवित रखा है जो हर संस्था और हर सरकार को नत-मस्तक कर दे। तो यह बिल्कुल उचित है कि भारत का पहला ऐतिहासिक सार्वजनिक प्रदर्शनी किसी महानगर के वातानुकूलित संग्रहालय में नहीं, बल्कि यहाँ – दुनिया की छत पर – हो रहा है, जहाँ आस्था ही जीवन की बुनावट है।

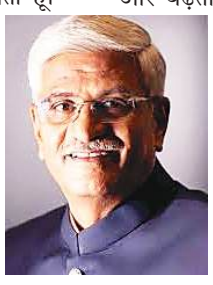

गजेन्द्र सिंह शेखावत
(लेखक भारत सरकार के केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।)

और सोचिए – ये अवशेष कहाँ से आ रहे हैं? वे पिपरहवा, उत्तर प्रदेश से आते हैं – वह स्थान जिसे ऐतिहासिक रूप से प्राचीन कपिलवस्तु से जोड़ा जाता है, सिद्धार्थ गौतम की जन्मभूमि। उन्हें लद्दाख लाना, शाब्दिक अर्थों में, एक घर-वापसी है।

एक ऐसा 'पहली बार' जो युगों का बोझ उठाए है

तथागत के पवित्र अवशेषों की इस पावन प्रदर्शनी का आधिकारिक नाम भी एक घोषणा है: "संघर्ष के समय में शांति।" एक ऐसी दुनिया में जो युद्ध, विखंडन और बढ़ती दुश्मनी से जूझ रही है, ये शब्द उस सोच को चुनौती देते हैं जो संघर्ष को अनिवार्य मानती है, शक्ति को आक्रामकता से जोड़ती है, और अनिश्चितता का एकमात्र उत्तर बल में देखती है। बुद्ध ने ढाई हज़ार साल पहले इस चुनौती का जवाब दिया था। हम उनकी भौतिक उपस्थिति को वापस ला रहे हैं ताकि दुनिया को याद दिला सकें – वह उत्तर आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष – जिन्हें अत्यंत पवित्रता के साथ संरक्षित किया गया है – पहली बार अपने स्थायी संरक्षण-स्थल से बाहर निकलकर इस पैमाने पर भारतीय भूमि पर दर्शन के लिए आ रहे हैं। z श्रेणी की सुरक्षा के साथ, एक विशेष विमान में, वे 29 अप्रैल को लेह पहुँचेंगे – और पंद्रह दिनों तक, 1 से 15 मई तक, शुभ 2569वीं वेसाक बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर से आरंभ होकर, दुनियाभर के श्रद्धालुओं, भिक्षुओं, विद्वानों और तीर्थयात्रियों के लिए यह प्रदर्शनी सुलभ रहेगी। स्थान भी अपने आप में बहुत कुछ कहते हैं। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र, ऐतिहासिक लेह पैलेस का धर्म केंद्र, और जीवे-त्सल का शिक्षण स्थल – वही पवित्र भूमि जहाँ परमपावन दलाई लामा ने अपनी शिक्षाएं दी हैं – इस प्रदर्शनी के आयोजन-स्थल होंगे। और अवशेष केवल लेह तक सीमित नहीं रहेंगे। 11 और 12 मई के बीच वे सुदूर ज़ांस्कर घाटी की यात्रा करेंगे – उस समुदाय तक बुद्ध की कृपा पहुँचाने के लिए, जिनकी बौद्ध परंपराएं उनके परिदृश्य की खाइयों जितनी गहरी हैं। "यह भारत की आत्मा, उसकी सभ्यता और उस शाश्वत संदेश का उत्सव है जो वह एक टूटती हुई दुनिया को देती है।" वह भूमि जिसने ज्योति को कभी बुझने नहीं दिया यह समझने के लिए कि लद्दाख इस अवसर के लिए सही घर क्यों है, पहले लद्दाख को समझना होगा। यह केवल मठों और पहाड़ों का एक नाटकीय परिदृश्य नहीं है – चाहे वह परिदृश्य कितना भी मनोरम हो। यह धर्म का एक जीवित विश्वविद्यालय है। हेमिस मठ की शांत ऊँचाइयों से – जिसका वार्षिक उत्सव समूचे हिमालयी संसार से तीर्थयात्रियों को खींचता है – अलची के प्राचीन भित्तिचित्रों तक, जो 10वीं सदी में बने और आज भी भक्ति की प्रतिभा से जीवंत हैं; दिस्कित की विशाल मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा से – जो श्योक नदी की ओर अनंत करुणा की दृष्टि से देखती है – थिकसे के बहुस्तरीय ज्ञान तक, जिसकी तुलना अक्सर तिब्बत के महान मठों से की जाती है – लद्दाख हज़ार वर्षों से अधिक समय से बौद्ध दर्शन, कला, पांडुलिपि परंपरा और जीवंत साधना के सबसे असाधारण भंडारों में से एक रहा है।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने हथियार चलाने और मारपीट मामले में 6 आरोपी किए गिरफ्तार

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

कमिश्नर पुलिस जालंधर धनप्रीत कौर आईपीएस के दिशा-निर्देशों के अनुसार डीसीपी (इन्वेस्टिगेशन) मनप्रीत सिंह पीपीएस, एडीसीपी-1 आकाशी जैन आईपीएस और एएसपी नॉर्थ अशोक मीणा आईपीएस की निगरानी में कमिश्नरेट जालंधर की विभिन्न टीमों द्वारा कार्रवाई करते हुए एक मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जानकारी के अनुसार थाना डिवीजन नंबर-3 में एएसआई सतविंदर सिंह द्वारा 03 मई 2026 की रात मोहल्ला ऋषि नगर, जालंधर में हुई लड़ाई-झगड़े और हथियार चलाने की घटना संबंधी मामला दर्ज किया गया था। इस संबंध में मुकदमा नंबर 63 के तहत बीएनएस की धाराएं 126(2), 109, 190, 191(3) तथा आर्म्स एक्ट की धाराएं 25, 54 और 59 के तहत केस दर्ज किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जुगेश गिल, साहिल सहोता, बसंत कुमार, गौतम गिल, राहुल पटेल और राहुल गिल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा फरार अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

जालंधर में अवैध शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई, 8 पेटियां शराब बरामद

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

उप कमिश्नर (आबकारी) जालंधर ज़ोन एस.के. गर्ग द्वारा जारी निर्देशों तथा सहायक कमिश्नर (आबकारी) जालंधर रेंज-2 नवजीत सिंह की निगरानी में अवैध शराब की तस्करी को रोकने के लिए आबकारी विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत आबकारी अधिकारी जसप्रीत सिंह और आबकारी निरीक्षक सुमंत माही के नेतृत्व में टीम द्वारा छापेमारी की गई।

जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि 06 मई 2026 को आबकारी निरीक्षक सुमंत माही ने आबकारी पुलिस स्टाफ के साथ गुप्त सूचना के आधार पर गदाईपुर, जालंधर स्थित महिताब मोहम्मद की दुकान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पंजाब किंग ब्रांड के 120

पऊए, 100 अद्धे तथा पंजाब क्लब व्हिस्की की 12 बोतलें बरामद की गईं। कुल मिलाकर लगभग 8 पेटियां अवैध शराब जब्त की गई। छापेमारी के दौरान आरोपी मौके से फरार हो गया। मामले संबंधी थाना में एफआईआर नंबर 0133 दिनांक 06.05.2026 दर्ज कर ली गई है। आबकारी विभाग द्वारा आरोपी की तलाश जारी है।

भाजपा चुनावी फायदे के लिए पंजाब में आतंकी हमले करवा कर डर का माहौल बना रही है : धालीवाल

• **जालंधर ब्रीज.** अमृतसर

आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मुख्य प्रवक्ता व विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने बीते दिनों पंजाब में हुए धमाकों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह पूरे पंजाब और भारत के लिए चिंता का विषय है कि आखिर जब भी देश या राज्य में चुनाव नजदीक आते हैं, तभी ये बम धमाके और आतंकी हमले क्यों होते हैं? धालीवाल ने कहा कि भाजपा चुनावों से ठीक पहले जनता को डराकर और तनावपूर्ण माहौल पैदा करके वोटों का ध्रुवीकरण करने की गंदी राजनीति कर रही है। वीरवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए धालीवाल ने सिलसिलेवार हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि चाहे पठानकोट एयरबेस का हमला हो, पुलवामा, दीनानगर या पहलगाम का हमला हो, इन सभी घटनाओं में हमारे बहादुर जवान शहीद हुए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि ये सारी घटनाएं चुनावों के समय ही क्यों घटती हैं?

उन्होंने भाजपा पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और उसका 'गुंडा गिरोह' चुनावी लाभ के लिए केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से सक्रिय हो जाता है और आतंकी गतिविधियों को शह देकर लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करता है।

कपूरथला के विभिन्न सरकारी स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

पंजाब राज्य खाद्य आयोग के सदस्य विजय दत्त ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) 2013 को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से जिला कपूरथला के ब्लॉक नडाला अंतर्गत गांव मियानी बाकरपुर तथा गांव धालीवाल बेट के विभिन्न सरकारी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विजय दत्त ने स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में मिड डे मील व्यवस्था, साफ-सफाई, बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि एनएफएसए 2013 के तहत मिलने वाली सुविधाओं को पूरी पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ लागू किया जाए, ताकि बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध हो सके। विजय दत्त ने स्कूलों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में "किचन गार्डन" लगाने के लिए भी प्रेरित किया, ताकि बच्चों को ताजा एवं पौष्टिक सब्जियां उपलब्ध करवाई जा सकें। उन्होंने मिड डे मील तैयार करने वाली कुक महिलाओं को सभी निर्धारित मानकों एवं नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी। साथ ही उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने और पीने के पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु समय-समय पर टीडीएस जांच करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्कूलों में गैस सिलेंडर की समस्या संबंधी मुद्दे पर उन्होंने तुरंत मिड डे मील पंजाब के जीएम वरिंदर बराड़ से बातचीत कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विजय दत्त ने बच्चों के साथ बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा उनके साथ बैठकर भोजन भी किया। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता की जांच करते हुए संबंधित अधिकारियों को "फूड टेस्ट रजिस्टर" नियमित रूप से मेंटेन रखने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बच्चों एवं मिड डे मील कुक्स के नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं संबंधित योजनाओं के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विजय दत्त ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को एनएफएसए 2013 अथवा संबंधित योजनाओं को लेकर कोई शिकायत या समस्या हो, तो वह पंजाब राज्य खाद्य आयोग के हेल्पलाइन नंबर 9876764545 पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

बाजवा ने ईडी छापों और धमाकों पर उठाए सवाल, कहा- पंजाब को सच्चाई चाहिए, राजनीतिक ड्रामा नहीं

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के करीबी सहयोगियों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई छापेमारी ने पंजाब में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के उन

आरोपों को सही साबित कर दिया है, जिन्हें वह पिछले चार वर्षों से लगातार उठाते आ रहे हैं। बाजवा ने कहा कि छापेमारी के दौरान सामने आई तस्वीरों, जिनमें बहुमंजिला इमारत से नकदी से भरे बैग फेंके जाते दिखाई दिए, ने आम आदमी पार्टी के "कट्टर ईमानदार" होने के दावों की पोल खोल दी है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान विभिन्न तरीकों से पंजाब से 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लूट की गई है।

उन्होंने मांग की कि ईडी पूरे मनी ट्रेल की जांच करे और उन रिपोर्टों की भी पड़ताल करे, जिनमें बड़ी मात्रा में धनराशि ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूरोपीय देशों, अमेरिका और कनाडा भेजे जाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र की भाजपा सरकार पंजाब के लोगों के सामने पूरा सच नहीं लाती, तो इससे यह धारणा और मजबूत होगी कि भाजपा और आम आदमी पार्टी "एक ही सिक्के के दो पहलू" हैं। हाल ही में पंजाब में हुए धमाकों को लेकर सरकार की ओर से दिए जा रहे विरोधाभासी बयानों पर चिंता व्यक्त करते हुए बाजवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इन घटनाओं के लिए भाजपा को जिम्मेदार बता रहे हैं, जबकि डीजीपी गौरव यादव ने इन घटनाओं के पीछे पाकिस्तान की आईएसआई का हाथ बताया है।

पुलिस और पब्लिक की साझेदारी से ही नशे और अपराध पर लगेगी रोक : डीआईजी इंद्रबीर सिंह

• **जालंधर ब्रीज.** खन्ना/लुधियाना

लोगों के साथ सीधा संपर्क मजबूत करने और युवाओं को नशों से दूर रखने के उद्देश्य से डीआईजी (पीएपी) इंद्रबीर सिंह और एसएसपी खन्ना डा. दर्पण आहलूवालिया द्वारा गांव खटड़ा का विशेष दौरा किया गया। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने गांववासियों के साथ खुलकर बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि खन्ना पुलिस हमेशा लोगों की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रतिबद्ध है।इस दौरे की सबसे खास बात यह रही कि बच्चों और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के लिए फुटबॉल वितरित किए गए। अधिकारियों ने कहा कि यदि युवा खेलों से जुड़े रहेंगे तो वे नशों और अन्य गलत गतिविधियों से दूर रहेंगे। इस पहल का उद्देश्य गांवों के खेल मैदानों और सार्वजनिक स्थानों को नशा मुक्त बनाना है, ताकि बच्चों और युवाओं को स्वस्थ वातावरण मिल सकेडीआईजी इंद्रबीर सिंह ने लोगों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब का भविष्य युवा हैं और उन्हें सही दिशा देना समाज की साझा जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि खेल मनुष्य को अनुशासन, स्वास्थ्य और टीम भावना सिखाते हैं। यदि बच्चों को बचपन से ही खेलों से जोड़ा जाए तो वे नशे जैसी बुराइयों से बचे रह सकते हैं। उन्होंने गांववासियों से अपील की कि वे अपने बच्चों को खेल मैदानों की ओर लेकर जाएं और उन्हें अच्छी गतिविधियों में शामिल करें।एसएसपी डा. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि खन्ना पुलिस द्वारा नशों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस अभियान को लोगों के सहयोग से और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस केवल कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि समाज में जागरूकता पैदा कर युवाओं को सही रास्ते पर लाने के लिए भी काम कर रही है।उन्होंने बताया कि खन्ना पुलिस समय-समय पर स्कूलों, कॉलेजों और गांवों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है, जहां नशों के नुकसान और खेलों के फायदों के बारे में जानकारी दी जाती है। एसएसपी ने कहा कि पुलिस और पब्लिक की साझेदारी से ही समाज में अच्छा माहौल बन सकता है और अपराधों पर रोक लगाई जा सकती है।

सीएम मान के आरोपों के विरोध में भाजपा का रोष प्रदर्शन आज

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय जनता पार्टी (जालंधर शहरी) के अध्यक्ष सुशील शर्मा की अध्यक्षता में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा जालंधर एवं अमृतसर में हुए बम ब्लास्ट को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर लगाए गए बेबुनियाद एवं निराधार आरोपों के विरोध में 8 मई (शुक्रवार) को सुबह 11 बजे कचहरी चौक, जालंधर में रोष प्रदर्शन किया जाएगा। सुशील शर्मा ने बताया कि इसके उपरांत दोपहर 12 बजे जालंधर के पुलिस कमिश्नर को मुख्यमंत्री भगवंत मान के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। भाजपा जिला अध्यक्ष सुशील शर्मा ने बताया कि इस रोष प्रदर्शन एवं पुलिस कमिश्नर को मांग पत्र सौंपने के कार्यक्रम में भाजपा जालंधर शहरी के सभी 18 मंडलों के सैकड़ों कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस पर मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा भाजपा जिला महामंत्री राजेश कपूर, अमरजीत सिंह गोल्डी, जिला उपाध्यक्ष मनीष विज,पार्षद कुंवर सरताज, प्रमोद कश्यप, उपस्थित थे।

अटल इनोवेशन मिशन ने एआईएम संवाद (उत्तर संस्करण) का आयोजन किया

इनक्यूबेटर्स को मजबूत करने, समावेशी नवाचार और राज्य-केंद्र सहयोग को बढ़ावा देने पर जोर

• **जालंधर ब्रीज.** मोहाली

अटल इनोवेशन मिशन (एआईएम), नीति आयोग ने मोहाली में क्षेत्रीय एआईएम संवाद (उत्तर संस्करण) का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत, इनक्यूबेटर्स, स्टार्टअप्स और नवाचार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य राज्य और केंद्र के बीच सहयोग को मजबूत करना और क्षेत्र में इनक्यूबेटर्स का मजबूत नेटवर्क तैयार करना था। साथ ही, नवाचार के माहौल को बेहतर बनाने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। इस बैठक में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड और दिल्ली के प्रतिनिधियों के साथ-साथ स्टार्टअप से जुड़े संगठनों, इनक्यूबेटर्स, उद्योग जगत के लोगों और अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भाग लिया। संवाद के दौरान इनक्यूबेटर्स को मजबूत करने, राज्यों की नवाचार पहलों को आगे बढ़ाने और सरकार, शिक्षा संस्थानों, इनक्यूबेटर्स तथा उद्योग के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा हुई। इसमें नवाचार के जरिए आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और नए क्षेत्रों में स्टार्टअप्स के लिए अवसर बढ़ाने पर खास ध्यान दिया गया।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं सीजीसी लांडरां के चेयरमैन सतनाम सिंह संधू ने अटल इनोवेशन मिशन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहलें क्षेत्रीय क्षमताओं को जोड़ते हुए देश में नवाचार को बढ़ावा देती हैं।

'फायर सेफ्टी वीक' के तहत सिविल अस्पताल में मॉक ड्रिल आयोजित

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग जालंधर द्वारा जिले के विभिन्न अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में "फायर सेफ्टी वीक" मनाया जा रहा है। इसी कड़ी के तहत वीरवार को शहीद बाबू लाभ सिंह यादगारी सिविल अस्पताल, जालंधर में मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. नमिता घई की देखरेख में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान फायर ब्रिगेड अधिकारी अवनीश और उनकी टीम द्वारा अस्पताल एवं कार्यालयों में आग से बचाव और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने संबंधी जानकारी दी गई। स्वास्थ्य अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर एग्जिट के उपयोग, इमरजेंसी अलार्म, निकासी प्रक्रिया तथा सायरन बजते ही शांतिपूर्वक सुरक्षित स्थान पर पहुंचने के तरीकों के बारे में जागरूक किया गया।

इसके साथ ही विभिन्न नर्सिंग कॉलेजों की छात्राओं के बीच पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता भी करवाई गई। प्रतियोगिता का उद्देश्य लोगों को आग से सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। छात्राओं द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों को सिविल अस्पताल के विभिन्न वार्डों में प्रदर्शित किया गया।

'सीएम दी योगशाला' पहल से बढ़ रही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता : डिप्टी कमिश्नर

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री भगवंत मान की महत्वाकांक्षी एवं जनहितकारी पहल "सीएम दी योगशाला" के अंतर्गत लोगों में स्वास्थ्य, योग एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है। पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई यह विशेष पहल आज हजारों लोगों को योग से जोड़कर स्वस्थ एवं खुशहाल पंजाब के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान जी का उद्देश्य है कि योग के शारीरिक एवं मानसिक लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें, ताकि प्रत्येक नागरिक स्वस्थ, तनावमुक्त एवं ऊर्जावान जीवन जी सके। "सीएम दी योगशाला" अभियान के माध्यम से पंजाब सरकार लोगों को निःशुल्क योग प्रशिक्षण उपलब्ध करवा रही है, जिससे "रंगला पंजाब" की परिकल्पना को साकार करने में सहायता मिल रही है।

होशियारपुर जिले के विभिन्न गांवों, वार्डों, पार्कों एवं सामुदायिक स्थलों पर नियमित रूप से योग कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान समय में जिले में कुल 731 योग कक्षाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, बुजुर्ग एवं विद्यार्थी भाग लेकर योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कर रहे हैं।

प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा लोगों को योग के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली, तनाव प्रबंधन एवं दैनिक स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारियां भी दी जा रही हैं।

फोटो-बीसीसीआई

टी20 में टीम इंडिया की बादशाहत कायम

आईसीसी रैंकिंग में टॉप पर बरकरार

स्पोर्ट्स डेस्क. सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखने वाली पहली टीम बनी भारत, वार्षिक आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर है। नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो वर्षों के मैचों को 50 प्रतिशत अंक दिए गए हैं। 275 अंकों के साथ भारत पहले नंबर पर और इंग्लैंड 262 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ गया है जबकि आईसीसी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया 258 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के करीब पहुंच गया है।

इसके अलावा, श्रीलंका के अंक छह गिर गए हैं, जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है, जबकि बांग्लादेश (225 अंक), जिसने अपडेट में एक अंक की बढ़त हासिल की है, आठवें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान 220 अंकों के साथ श्रीलंका से केवल एक अंक पीछे 10वें स्थान पर है, जबकि जिम्बाब्वे और आयरलैंड भी क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर बने हुए हैं। उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई ताकत, अमेरिका ने छह अंक हासिल करके दो पायदान ऊपर छलांग लगाई है और 13वें स्थान पर पहुंच गया है। उसने नीदरलैंड और स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ दिया है, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर अपरिवर्तित रहा, जबकि नेपाल (17वें) और ओमान (19वें) ने एक-एक पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त अरब अमीरात (18वें) और कनाडा (20वें) को पीछे छोड़ दिया।

टी20 विश्व कप में पहली बार खेल रही इटली ने 11 अंक हासिल किए और तीन पायदान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान से 23वें स्थान पर पहुंच गई। यूरोपीय टीम ने टी20 विश्व कप में अपने पहले ही मैच में शानदार जीत दर्ज करते हुए नेपाल को 10 विकेट से हराया। रैंकिंग में टीमों की संख्या 102 से घटकर 98 हो गई है क्योंकि फिजी, गाम्बिया, ग्रीस और इज़राइल पिछले तीन वर्षों में अपेक्षित आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाए, जिसके कारण रैंकिंग में जगह नहीं बना पाई।

PUBLIC NOTICE

I, Karan S/o Tarsem Singh, R/o H.No. 83, New Shivaji Nagar, Basti Danishmandan, Distt. Jalandhar (Punjab), do hereby solemnly declare that my name is mentioned as Karan on my Aadhaar Card (No. 3001-2459-0279) and in some other documents, it is mentioned as Karan. Be it known that Karanveer Singh and Karan are one and the same person. My correct name is Karanveer Singh and I shall be known by this name in the future.

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.